दिनांक 15.05.2026 को जिला कृषि पदाधिकारी, धनबाद की अध्यक्षता में वित्तीय वर्ष 2026–27 हेतु सुखाड़ आकस्मिक कार्य योजना तैयार करने हेतु आयोजित बैठक की कार्यावाही :–

उपस्थितिः– अलग से पंजी में संधारित।

सर्वप्रथम जिला कृषि पदाधिकारी, धनबाद द्वारा उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों का स्वागत किया गया। तदुपरान्त दिनांक 12.05.2026 को राज्य स्तरीय खरीफ कार्यशाला में माननीय मंत्री कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा प्राप्त निदेशों का विस्तार से वर्णन किया गया और सुखाड़ आकस्मिकता कार्य योजना हेतु सभी उपस्थित पदाधिकारियों से प्रस्ताव का मांग किया गया।

बैठक में प्राप्त विभागवार प्रस्ताव :–

1. कृषि विभाग :–

- अरहर, उरद, मूंग, ज्वार, बाजरा और रागी फसलों को सुखाड़ की स्थिति में लगाने का निदेश दिया गया क्योंकि ये फसले जल संरक्षण भी करती है।
- सुखाड़ की स्थिति में SRI विधि की Practice नहीं करना तथा Scattered Nursurry, Multching, Sprinkler, drip Irrigation जैसी सुविधाओं को अपनाने पर विशेष जोर दिया गया ताकि कृषि कार्य में कम से कम पानी खपत हो।
- छायाप्रिय फसल जैसे कि ओल, हल्दी, अदरक इत्यादि लगाने का सुझाव दिया गया।
- धान बोआई के लिए DSR (Direct Sowing Rice) विधि को अपनाने पर विशेष बल दिया गया क्योंकि इस विधि में 15–20% कम पानी की आवश्यकता होती है।
- वैसे किसान जिनको TCB की आवश्यकता है की सूची संबंधित कर्मियों द्वारा कार्यालय में जमा करने का निदेश दिया गया।
- वैसे किसान जो निजि अथवा सरकारी जमीन पर अमरूद या बैर इत्यादि लगाना चाहते है, की सूची भी संबंधित कार्यालय मे जमा करने का निदेश दिया गया।
- तालाब या अन्य जल स्रोतो में आस–पास के क्षेत्रों में सामुदायिक स्तर पर बोरिंग की सुविधा दिये जाने का प्रस्ताव लिया गया ताकि Water Recharge होता रहे।

2. पशुपालन विभाग :–

- पशु की स्वास्थ्य में सुधार हेतु Fodder Crops जैसे–ज्वार, बाजरा इत्यादि लगाने का सुझाव दिया गया।
- पशुओं के लिए उचित शेड, टिकाकरण ABC (Animal Birth Control Program) तथा जिला पशुपालन कार्यालय द्वारा संचालित अन्य योजनाओं के बारे में किसानों को जागरूक करने का सुझाव दिया गया।
- जिला पशुपालन पदाधिकारी द्वारा निदेश दिया गया कि वैसे पशु जो कम से कम 10 लीटर दूध देते हो, का Insurance कराना अनिवार्य है।

संभावित प्रभाव

- हरे चारे की कमी एवं भूसा संकट।
- पेयजल स्रोतों का सूखना।
- दुग्ध उत्पादन में कमी।
- पशुओं में कमजोरी एवं रोगों की संभावना बढ़ना।

पूर्व तैयारी

- चारा बैंक की स्थापना एवं भंडारण।

- साइलिज एवं भूसा संग्रह को प्रोत्साहन।
- जल संरक्षण एवं तालाबों की सफाई।
- पशुपालकों को जागरूकता प्रशिक्षण।

सूखा अवधि में कार्य योजना

- प्रभावित क्षेत्रों में पशु चिकित्सा शिविर आयोजित करना।
- खनिज मिश्रण एवं पशु आहार वितरण।
- मोबाइल वेटनरी यूनिट की व्यवस्था।
- पानी के टैंकर एवं अस्थायी जल स्रोत उपलब्ध कराना।

चारा एवं जल प्रबंधन

- मक्का, बाजरा एवं नेपियर घास जैसे सूखा सहनशील चारे को बढ़ावा।
- सामुदायिक चारा भंडारण केंद्र।
- पानी बचाने की तकनीकों का प्रचार।
- चरागाह विकास कार्यक्रम।

रोग नियंत्रण एवं स्वास्थ्य सेवा

- टीकाकरण अभियान तेज करना।
- हीट स्ट्रेस एवं संक्रमण की निगरानी।
- आवश्यक दवाओं का पर्याप्त भंडारण।
- 24×7 हेल्पलाइन एवं आपातकालीन सेवा।

समन्वय एवं निगरानी

- जिला प्रशासन कृषि विभाग एवं पंचायतों के साथ समन्वय।
- प्रखंड स्तर पर निगरानी समिति का गठन।
- दैनिक रिपोर्टिंग एवं समीक्षा बैठक।

3. मत्स्य विभाग :–

- जिला मत्स्य पदाधिकारी द्वारा सुखाड़ की स्थिति में तालाब की गहराई बढ़ाने, Eveporation को रोकने के लिए आधे तालाब को जलकुम्भी से ढ़कने, तालाब के आप–पास पौधे लगाना तथा तालाब में जल की पर्याप्त मात्रा बनाने रखने हेतु Borewell व्यवस्था करने हेतु सुझाव दिया गया।
- तालाब में जल की गुणवत्ता बनाये रखने हेतु मछली की बीज सामान्य स्थिति की तुलना में 50–70% से कम डालना, मछली हेतु भोजन तथा जैबिक खाद की मात्रा को कम करने का निदेश दिया गया।
- बताया गया कि कम पानी में जीवित रहने वाली मछली के प्रजाति का चयन करे जैसे– देशी मांगूर, सिंधी, कतला तथा कवई।
- तालाब में ऑक्सीजन की मात्रा बनाये रखने के लिए येयरेटर का उपयोग करने का सुझाव दिया गया तथा कम वजन की मछली (500–600g) को विक्रय करने हेतु निदेशित किया गया।
- प्रधानमंत्री मत्स्य कृषि समृद्धि योजना अंतर्गत मछलियों का Insurance (40%) कराने हेतु निदेशित किया गया।
- जिला मत्स्य कृषि पदाधिकारी द्वारा यह बताया गया कि धान की फसल के साथ झींगा मछली का पालन अवश्य करे।

► **Drought Contingent Plan for Pond Fisheries**

- Reduced stock size in ponds

- Fish stocking in pond to be reduced by 50-70% (3000 Fingerling/ Acre).
- Old ponds which are stocked with higher stocking density should be thinned.

- Reduced Harvesting size of fish for Market
  - Harvesting size of fish to be reduced by 70-75%. (Harvesting Size of fish 500gm to 700gm)
- Species Diversification
  - Species like highly tolerant to moderate tolerant regarding drought to be cultivated.
  - Highly Tolerant Species like Mono Sex Tilapia, Common Carp, Mrigal, Air breathing fish like Desi Mangur, Singhi, koi, Garai, Sol, betta etc.
  - Moderate species like Rohu, Catla, Pangasius etc.
- Reduced Rate of Feeding
  - Reduced rate of feed use in ponds by 20-40%.
  - Avoid Overfeeding
  - Higher rate of use of feed will decrease level of Dissolve Oxygen
  - Feeding of fishes should be restricted to two times i.e. early morning and late evening
  - Reduced or stop water exchange
- Transfer of fish stock from affected water bodies to perennial water bodies
- Reduced or Stop use of Organic manures
- Liming of ponds on regular interval (20-25 kg lime/Acre in every 15 days)
- Use of equipments like solar aerators, sprinklers and water splashing devices in case of low dissolve oxygen.
- Adoption of climate resilient technology like biofloc ponds, biofloc tanks, RAS etc
- Fish Crop Insurance, Compensation for mass mortality of fishes and financial assistance to recover in next crop will be adopted.
- Planting shady trees (like guava, banana) around the pond helps in maintaining moisture in the soil & pond.
- Cover a portion of the pond with water hyacinth or shade netting to reduce evaporation

- **<u>Drought Contingent Plan for Reservoir Fisheries</u>**

- Reduced stock size in cages
  - Fish stocking in cage to be reduced by 50-70% (3000 Fingerling/ Cage)
  - Old cages which are stocked with higher stocking density should be thinned
- Reduced Harvesting size of fish for Market
  - Harvesting size of fish to be reduced by 70-75%. (Harvesting Size of fish 500gm to 700gm)
- Species Diversification

- Species like highly tolerant to moderate tolerant regarding drought
- Highly Tolerant Species like Mono Sex Tilapia, Common Carp, koi, Singhi, etc
- Moderate species like Rohu, Catla, Pangasius etc

- Reduced Rate of Feeding
  - Reduced rate of feed use in ponds by 20-40%.
  - Avoid Overfeeding
  - Higher rate of use of feed will decrease level of Dissolve Oxygen
- Feeding of fishes should be restricted to two times i.e. early morning and late evening.
- Shifting of cages in deeper zone of reservoirs
  - Cleaning of cage nets (Grow out nets) regularly for better water exchange
- Arrange cages in such a manner that water can easily flow through the cages to avoid dissolve oxygen depletion
  - Avoid unnecessary handling of fishes
- Application of prophylactic treatment against fungal and bacterial disease
  - Oral administration of Vitamins and Mineral supplements through feed
- Removal of dead and deceased fishes immediately
  - Use of Lime in cages (4-5 kg lime/cage in every 30 days)
- Fish Crop Insurance, Compensation for mass mortality of fishes and financial assistance to recover in next crop will be adopted.

Contingent Plan & Measures

S_no	Effectdmpacts	Before Draught	During Draught
1. 2.	Ponds and tanks — water loss, water level decreases, fish congregation & suffocation, fish density Increases, turbid and muddy pond condition, low dissolved oxygen. Reservoirs & stone pits — not much effect on large and perennial waterbodies.	• Transfer of fish stock from affected water bodies to perennial Water bodies. • Equipment like aerator, Water pump, sprinklers etc may be provided on subsidy. • Seeds of hardy species like singhi, Mangur, Kawai etc may be provided on subsidy which can withstand muddy and turbid pond condition. • More no. of cages and inputs can be installed and provided in these waterbodies_	• Reservoir stocking can be done • Aeration/ water supply may be provided to increase dissolved oxygen m ponds with IOW water level. • More subsidies on feed

- **Disease Management : Monitor for diseases like Esc (Enteric Septicemia of Catfish) or parasites (e.g, yellow grub), which are more common in low-water, high-temperature conditions.**
- **Mortality and Disposal**

- Carcass Disposal: In case of mortality, safely bury fish with lime or transport them off-site, in compliance with local regulations.

4. कृषि विज्ञान केन्द्र, बलियापुर :–

- वरीय वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र, बलियापुर द्वारा दोन 1,2,3 तथा टाँड 1, 2, 3 जमीन हेतु उपयुक्त फसलों की जानकारी दी गई तथा इन फसलों को लगाने के लिए उपयुक्त समय की जानकारी भी विस्तार से दी गई।

ऊँची जमीन (टाँड)

उन्नत किस्में	अवधि (दिन)	औसत उपज
बिरसा विकास धान-111, 109, 110	95	25
अंजली	90	25
बिरसा विकास धान-109	90	30
बिरसा विकास धान-110	95	35
वन्दना	90	30

बुवाई समय एवं बीज दर: 15 जून से 30 जून बीज दर : 60.80 कि.ग्रा./हे.

मध्यम जमीन (दोन–3 एवं दोन–2)

उन्नत किस्में	अवधि (दिन)	औसत उपज
सहभागी धान	115	40
आई.आर. 64 (ड्रॉट.1)	125	45
ललाट	125	45
अभिषेक	125	45
बिरसा विकास धान.203	125	45
बिरसमती	130	30-40
बिरसा विकास सुगंध	125	35-45
एराइज 6444 गोल्ड (हाइब्रिड)	140	65
एराइज तेज (हाइब्रिड)	125	60

बुवाई समय: 15 जून से 25 जून रोपा

निची जमीन (दोन–1)

उन्नत किस्में	अवधि (दिन)	औसत उपज
राज श्री	140	50
स्वर्ण (एम.टी.यू.-7029)	145	60
समभा महसूरी (बी.पी.टी.-5204)	145	55
उन्नत समभा महसूरी	145	55

बुवाई समय एवं बीज दर: 1 जून से 25 जून

- **Contingent Plan**

Rain Delay by 1st week of June	Rain Delay by 2nd week of June	Rain Delay by 3rd week of June	Rain Delay by 4th week of June
Paddy nursery	Paddy nursery	Transplanting of paddy	Transplanting of paddy
Green manuring	Green manuring	Millet Nursery	Millet Nursery
Deep ploughing	Deep ploughing	sowing of Arhar, urad, Moong, Cowpea	sowing of Arhar, urad, Moong, Cowpea
Bunding	Bunding	DSR	DSR

Rain Delay by 1st week of August	Rain Delay by 2nd week of August	Rain Delay by 3rd week of August	Rain Delay by 4th week of August

Transplanting of paddy	Transplanting of paddy	Transplanting of paddy	Transplanting of paddy
Millet transplanting	Millet transplanting	Millet transplanting	Millet transplanting
Sowing of Arhar, urad, Moong, Cowpea	Sowing of Arhar, urad, Moong, Cowpea	Sowing of Arhar, urad, Moong, Cowpea	Sowing of Arhar, urad, Moong, Cowpea
No DSR	No DSR	No DSR	No DSR

Rain Delay by 1st week of September	**Rain Delay by 2nd week of September**	**Rain Delay by 3rd week of September**	**Rain Delay by 4th week of September**
Sowing of Kulthi	Sowing of Kulthi	Sowing of Kulthi	Sowing of Kulthi
Sowing of Niger	Sowing of Niger	Sowing of Niger	Sowing of Niger

- **Pulse crop**

Arhar	Urad	Moong	Cowpea	Kulthi
Birsa Arhar-1 (190-200days)	Birsa Urad-1 (75-80 days)	Virat(60-65 days)	Panth Lobia-7 (65-75 days)	Birsa Kulthi-1 (90-97 days)
IPA15-2 (240-250 days)	W.B.U-109 (70-75 days)	H.U.M.-16 (55-58 days)	T. C.-901 (65-75 days)	Birsa Kulthi (100-107 days)
Upas-120 (140-145 days)	Birsa Urad-2 (80-85 days)	IPM-2-03 (62-68 days)		V.L.G.-19 (100-105 Din)
IPA-203 (240 days)	Kota Urad-4 (75-80 days)	MH1142 (60-65 days)		Alkah Kulthi (105-110)
Birsa Arhar-2 (240 days)				

- **Oilseed Crop**

Groundnut	Soyabean	Niger	Sesame
Birsa Moongfali-3 (120-125 Days)	Birsa Soyabean-1 (120-125 Days)	Birsa Niger-1 (95-100 Days)	JT-7
Birsa Moongfali-4 (115-120 Days)	Birsa Safed Soyabean-2 (105-107 Days)	Birsa Niger-2 (96-98 Days)	Kanke safed
Birsa Bold (125-130 Days)	Birsa Safed Soyabean-3 (115-120Days)	Birsa Niger-3 (98-105Days)	Krishna Shekhar
GJG-18 (115-120 days)	Birsa Safed Soyabean-4 (105-110 Days)	Pooja-1(91-100 Days)	
GJG-19(120-125 Days)	G.S.97-52(115-120 days)		

Maize	Babycorn	Finger Millet	Sorgum
BAUMH-03 (90-100 Days)	Birsa babycorn-1 (48-65 Days)	A-404(115-120 Days)	C.S.V-20 (110-115)
BAUMH-05 (80-90 Days)		B.M.-2 (105-110 Days)	
Kanchan		B.M.-3 (110-115 Days)	
Siri- 5499		CFMV-2 (110-115 Days)	
VNR-4229		B.L.376 (95-100 Days)	

- सुखाड़ कर स्थिति Niger और कुल्थी के उत्पादन पर विशेष रूप से जोर दिया गया।

5. सहकारिता विभाग :–

- सघन बीमा अभियान चलाकर शत प्रतिशत कृषकों को बीमा से आच्छादित किया जायेगा। इस हेतु सभी कम्प्यूटरीकृत पैक्सों में कृषकों के बीमा निबंधन का कार्य किया जायेगा साथ ही सभी प्रज्ञा केन्द्रों से समन्वय स्थापित कर बीमा का कार्य किया जायेगा।
- बीज वितरण के कार्य में नये पैक्सों को भी समलित किया जायेगा। जिससे समय से बीज आपूर्ति का कार्य पूर्ण किया जा सके।
- आकस्मिकता कार्य योजना में प्रस्तावित नये सूखा रोधी प्रभेदों की का आवंटन प्राप्त होते ही शीघ्रता से बीज आपूर्तिकर्त्ता कम्पनी को अशंदान प्रस्तुत किया जायेगा जिससे समय से बीज की उपलब्धता हो सके।

सधन्यवाद बैठक की समाप्ति की गई।